मंगलवार
18 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 4

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के फायदे और नुकसान

पृष्ठ 5

वर्क आउट करना बहुत अच्छा, लेकिन अधिक एक्सरसाइज करना अच्छा नहीं:सीरत कपूर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 249
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

फल के आने से वृक्ष झुक जाते हैं, वर्षा के समय बादल झुक जाते हैं, संपत्ति के समय सज्जन भी नम्र होते हैं। परोपकारियों का स्वभाव ही ऐसा है। – तुलसीदास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

केदारघाटी में हेलीकॉप्टर क्रैश, 7 की मौत

●गरुड़ चट्टी में हुई दुर्घटना
●हेली सेवा पर फिलहाल रोक
●दुर्घटना का कारण खराब मौसम

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आज दोपहर के समय केदारनाथ घाटी में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए दुर्घटना की विस्तृत मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश दे दिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा फिलहाल केदारघाटी में हेली सेवाओं पर रोक लगा दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर एक निजी कंपनी आर्यन का बताया गया है जो फाटा हेलीपैड से यात्रियों को लेकर रूद्रप्रयाग आ रहा था। लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद गरुड़ चट्टी में यह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हेलीकॉप्टर में एक पायलट सहित 7 श्रद्धालु सवार थे। दुर्घटना का कारण प्रथम दृष्टया खराब मौसम बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार केदारघाटी में घना कोहरा छाया हुआ है तथा भारी बारिश हो रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के अधिकारी और एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं तथा बचाव राहत कार्य जारी है। जिला प्रशासन द्वारा खराब मौसम व हेली हादसे के मद्देनजर फिलहाल केदारनाथ की हेली सर्विस पर रोक लगा दी गई है। यह दुर्घटना आज 12 बजे के आसपास उस समय हुई जब बाबा केदार के दर्शन कर यह यात्री वापस लौट रहे थे। फाटा हेलीपैड से इस हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी थी। इस हादसे का कारण खराब मौसम बताया जा रहा है घाटी में आज सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ था और बारिश हो रही थी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर को कैप्टन अनिल सिंह उड़ा रहे थे तथा उसमें छह श्रद्धालु सवार थे जो सभी दक्षिण भारत के रहने वाले बताये गए हैं। मृतकों के नाम पूर्वा राम्या, कार्तिक वोराद, प्रेम कुमार और काला तथा उर्वी व सुजाता बताया गया है जिसमें पायलट अनिल कुमार मुंबई के रहने वाले हैं जबकि 3 यात्री गुजरात एक झारखंड व एक कर्नाटक के बताए गए हैं। दुर्घटना पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

नियम ताक पर रखकर हो रहा है हेली संचालनः मनोज

रुद्रप्रयाग। पूर्व विधायक मनोज रावत ने आज केदार घाटी की गरुड़ चट्टी में हुई रैली दुर्घटना पर दुख जताते हुए शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केदारघाटी में हेली सेवाओं के संचालन में सामान्य नियमों का भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है। उनका कहना है कि हेली सेवाओं में हेली कंपनियों की मनमानी चल रही है तथा उन पर शासन-प्रशासन का कोई भी नियंत्रण नहीं है। उनका कहना है कि जब मौसम इतना खराब था, घना कोहरा छाया हुआ था और तेज बारिश हो रही थी तो हेली सेवाओं को क्यों नहीं रोका गया। जिसके कारण 7 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

हवा में ही हो गए हेली के कई टुकड़े, लगी आग

रुद्रप्रयाग। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि घने कोहरे के कारण पहाड़ से टकराकर हेलीकॉप्टर के कई टुकड़े हो गए और हवा में ही उसमें आग लग गई और उसके अवशेष जलते हुए घाटी में आकर गिर गए। इस हेली दुर्घटना को लेकर यह बताया जा रहा है कि कम विजिविलिटी के कारण पायलट पहाड़ का अनुमान नहीं लगा सका और उससे टकरा गया। हादसे के बाद हेलीकॉप्टर के कई टुकड़े हो गए और वह जलते हुए जमीन पर आ गिरे। इस दौरान यहां तेज बारिश भी हो रही थी। जो इस दुर्घटना का कारण बनी।

तेज रफ्तार कार ने स्कूल जा रहे चार बच्चों को रौंदा

गोंडा। गोंडा जिले के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह स्कूल में पढ़ने जा रहीं दो सगी बहनों समेत तीन बच्चों की एक कार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बच्चियों की बड़ी बहन गंभीर रूप से घायल हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शिवराज ने बताया कि जिले के कर्नलगंज थाना क्षेत्र के अन्तर्गत गोंडा-लखनऊ राजमार्ग पर मंगलवार को सुबह करीब नौ बजे चौरी गांव के सूबेदार पुरवा निवासी कुछ बच्चे गांव के ही विद्यालय में पढ़ने जा रहे थे। इस बीच, गोंडा लखनऊ राजमार्ग को पार करते समय वे गोंडा से लखनऊ की तरफ जा रही एक कार की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि हादसे में सत्यम (10), तन्वी (सात) और शिवांजलि (11) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शिवांशी (14) गंभीर रूप से जख्मी हो गयी। शिवांशी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तन्वी और शिवांजलि, शिवांशी की सगी बहनें थीं। शिवराज ने बताया कि इनमें दो बच्चे चौरी स्थित प्राथमिक विद्यालय तथा दो जूनियर हाईस्कूल में पढ़ने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सड़क हादसे के बाद एहतियातन घटनास्थल के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया है।

जयललिता की मौत में शशिकला की भूमिका संदिग्ध!

चेन्नई। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने विधानसभा में आज मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की मौत की परिस्थितियों की जांच की रिपोर्ट पेश कर दी है। इस जांच रिपोर्ट में सनसनीखेज बातें सामने आई हैं। हाईकोर्ट के एक पूर्व जज ने अपनी जांच के रिपोर्ट में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की 2016 में चेन्नई के एक हॉस्पिटल में भर्ती होने के बाद उनकी मौत की जांच होनी चाहिए। इस मामले में जयललिता की बेहद करीबी रहीं शशिकला की भूमिका की गहन जांच जरूरी है, यही नहीं डॉक्टरों की भूमिका भी संदिग्ध है। साल 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की मौत की परिस्थितियों की जांच करने वाले जस्टिस ए अरुमुघस्वामी आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि दिवंगत मुख्यमंत्री की विश्वासपात्र वी के शशिकला को अपनी गलती माननी होगी और इस संबंध में जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। समिति ने शशिकला के साथ कई अन्य संदिग्धों का भी नाम लिया है। खबरों के मुताबिक, जयललिता की मौत के वक्त उनकी करीबी रहीं शशिकला का उनसे अलगाव हो गया था। ऐसा माना जाता है कि उस समय जया और शशि के बीच मतभेद उभर गए थे। अरुमुघस्वामी आयोग पिछले 5 सालों से जयललिता की मौत के अलग-अलग एंगल से जांच कर रहा था। साल 2016 में गंभीर रूप से बीमार होने के बाद जयललिता को चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लंबे समय तक इलाज के बाद जयललिता का निधन 5 दिसंबर 2016 को हो गया था। इस दौरान उनकी मौत के पीछे कई तरह की शंकाएं जताई जा गई थी। जयललिता के विश्वासपात्र और पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम ने उनकी मौत के मामले में आयोग बनाकर जांच की मांग की थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

बेखौफ बदमाश, खौफ में जनता

राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री धामी और भाजपा के नेता भले ही कुछ भी कहे लेकिन अगर बीते एक डेढ़ माह की घटनाओं पर नजर डाली जाए तो कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक जिस तरह आपराधिक वारदातों की झड़ी लगी हुई है वह इस बात का सबूत है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। वह आम आदमी के लिए तो भय का कारण बन ही चुके है बल्कि पुलिस को भी खुली चुनौती दे रहे हैं। दो दिन पूर्व रुड़की के लक्सर में जिस तरह बदमाशों द्वारा गस्ती पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर उन्हें मारने की कोशिश की गई यह कोई कम गंभीर मसला नहीं है। सवाल यह है कि जो पुलिस बदमाशों से अपनी रक्षा नहीं कर सकती वह आम आदमी की क्या हिफाजत करेगी? वहीं जब बदमाश पुलिस पर हमला कर सकते हैं तो उनके लिए आम आदमी क्या चीज है? बीते 15 अक्टूबर को डोईवाला में काबीना मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के भाई के घर हुई दिनदहाड़े डकैती की घटना यह बताने के लिए काफी है कि बदमाशों को किसी का भी खौफ नहीं है। इन बदमाशों को यह पता था कि यह घर जहां वह डकैती डाल रहे हैं सरकार में मजबूत व नजदीकी रखने वाला परिवार है। लेकिन इसकी कोई परवाह न करते हुए बदमाश दोपहर में करोड़ों की डकैती डालकर आसानी से फरार हो गए। इन दोनों घटनाओं के अलावा अभी बीते 10 अक्टूबर को काबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा की हत्या की साजिश के जिस षड्यंत्र का खुलासा हुआ है वह भी कम चौंकाने वाला नहीं है। काबीना मंत्री के पिता और पूर्व सीएम विजय बहुगुणा द्वारा इस षड्यंत्र के पीछे सिंडिकेट का हाथ होने की आशंका जताई गई है। यह घटना इस बात का संदेह जताती है कि देवभूमि भी अब राजनीतिक अपराध की जद में आती जा रही है। खराब कानून व्यवस्था पर गंगा भोगपुर के रिजार्ट की वह घटना भी एक बड़ा उदाहरण है जिसमें वनंतरा रिजार्ट में काम करने वाली अंकिता की हत्या का मामला सामने आया है। इस जघन्य अपराध की विरोध में उत्तराखंड अभी तक सुलग रहा है। अभी काशीपुर में गोली लगने से हुई एक महिला की मौत और क्रेशर कारोबारी की घर में घुसकर की गई हत्या जैसी घटनाएं न सिर्फ चिंताजनक है बल्कि शासन-प्रशासन पर एक बड़ा सवाल खड़ा करने वाली हैं। जिन्हें लेकर अभी मुख्यमंत्री ने राज्य के पुलिस अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देश दिए गए हैं। आमतौर पर बढ़ते अपराधों का कारण बढ़ती आबादी को बताकर पल्ला झाड़ लिया जाता है लेकिन आम आदमी में इन बढ़ते अपराधों के कारण भय का माहौल बना हुआ है शासन-प्रशासन द्वारा इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है।

वर्क के कार्यकर्ताओं ने किये फ्ल वितरित

देहरादून (सं)। वर्ड ऑर्गेनाइजेशन रिलिजन एंड नॉलेज (वर्क) के कार्यकर्ताओं ने पलटन बाजार जामा मस्जिद के सामने माहे करुणा, रहमत का महीना जिसमें इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्म हुआ उस महीने में वर्क के कार्यकर्ताओं ने रहमत के काम करते हुए पलटन बाजार जामा मस्जिद के सामने फल वितरण का काम किया जिसमे लिफाफे में केले, सेब,और एक कार्ड जिसमे पैगम्बर साहब का संसार के लिये भाई चारे,एकता,मानवता व मोहब्बत का पैगाम शामिल था जो सभी आमजन को बांटे गए जिस पर सभी ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर वर्क के दानिश अफजल ने बताया कि ईश्वर अल्लाह ने पैगम्बर मोहम्मद साहब को पूरी दुनियां व इंसानियत के लिए रहमत बनाकर के उतारा यह रहमत का महीना है इसमें वर्क के लोग रहमत के काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्क संस्था देश के विभिन्न इलाकों में नेकी के साथ मानवता,व देश हित समाज हित के कार्य कर रही है जिससे देश मे एकजुटता पैदा हो अखंड भारत बने और सतयुग आरम्भ हो उन्हीने कहा बाटें गए फलों के लिफाफों (थैलियों) पर भी हमने लिखा है हमारा सपना अखण्ड भारत।

सम्राळन्यः स्वराळन्य उच्यते वां महान्ताविन्द्रावरुणा महावसू।
विश्वे देवासः परमे व्योमनि सं वामोजो वृषणा सं बलं दधुः।।

(ऋग्वेद ७-८२-२)

सम्राट् और स्वराट् सम्राट दोनों शक्तियों की राष्ट्र को सुचारू रूप से चलाने में आवश्यकता होती है। एक सम्राट्, राष्ट्र के लिए सक्षम व्यक्ति शासक हो, जो सभी विषयों अर्थ, न्याय, सुरक्षा, स्वास्थ्य आदि को बल, धन और ज्ञान से चलाए। दूसरा स्वराट्, प्रजा का बल (प्रजातंत्र) जो स्वतंत्र होकर राष्ट्र हित में हो। दोनों ही बलशाली जनता के स्वामी हैं, एक धनबल है और दूसरा प्रजाबल है।

Both the powers, Smrat and Swrat, are needed for the smooth running of the nation. A competent person for the nation should be the ruler, who should handle all the subjects like the economy, justice, security, health, etc. with power, wealth, and knowledge. Second, swrat, the power of the people (democracy) should be independent in the interest of the nation. Both are the powerful masters of people; one is wealth power and the other is people power. (Rig Veda 7-82-2)

निर्माण कार्यों में हो रही लेटलतीफी को लेकर विधानसभा अध्यक्ष ने जतायी नाराजगी

संवाददाता

कोटद्वार। कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने अपने कैंप कार्यालय में विभिन्न विभाग के अधिकारियों की बैठक बुलाई। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने उनके द्वारा दिए गए निर्देशों पर हो रही लेटलतीफी को लेकर अधिकारियों को जमकर फटकार भी लगाई। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर कानून व्यवस्था तक बरती जा रही अधिकारियों की लापरवाही को किसी भी हालत में बर्दाश्त न करने की बात कही।

मालगोदाम रोड स्थित कैंप कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष ने विभागवार कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने सुखरो पुल के मरमत्तीकरण कार्य में हुई देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से जवाब मांगा एवं साफ निर्देश दिए की जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार से गुमराह ना करें और कार्य को दी गई समय सीमा पर पूर्ण करें इसके अलावा उन्होंने लोक निर्माण विभाग को बरसात के कारण सड़कों में पड़े गड्ढों को जल्द से जल्द दुरस्त करने के लिए कहा। इस दौरान नगर निगम के अधिकारियों को बढ़ते डेंगू के मामलो को देखते हुए प्रत्येक वार्ड की गली-गली तक छिड़काव एवं फॉगिंग लगातार प्रक्रिया में करते रहने के निर्देश दिए। साथ के साथ नगर में सफाई एवं स्वच्छता रखने की बात कही। विधानसभा अध्यक्ष ने इस दौरान ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं कूड़े के निस्तारण के लिए हाईटेक तरीके को अपनाने को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की।

बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष अवैध खनन के मामलों को लेकर भी सख्त दिखी उन्होंने अवैध खनन को पूर्ण रुप से बंद करने एवं बिना रॉयल्टी के खनन न करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने जल संस्थान के अधिकारियों को क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के लिए 50 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई जाने के एस्टीमेट को 7 दिन में तैयार करने के लिए कहा। वहीं बिजली विभाग को क्षेत्र में जगह-जगह ट्रांसफार्मर बदलने एवं सड़े गले तारों को दुरस्त करने के लिए कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने जल निगम को नमामि गंगे के अंतर्गत गतिमान निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष बेस अस्पताल कोटद्वार में मरीजों के साथ डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ के व्यवहार को लेकर भी नाराज दिखी उन्होंने बेस अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि मरीजों के साथ किसी भी स्टाफ द्वारा की जा रही बदसलूकी बर्दाश्त नहीं होगी, उन्होंने कहा कि मरीजों को वक्त पर प्रॉपर इलाज दिया जाए एवं किसी भी मेडिकल सुविधा से वंचित न रखा जाए साथ ही हिदायत दी कि आगे से किसी भी प्रकार की शिकायत ना मिले। विधानसभा अध्यक्ष ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में बढ़ती नशाखोरी को लेकर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाए एवं महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए साथ ही लगातार पुलिस गश्त रखने की बात कही।

इस अवसर पर डीएफओ दिनकर तिवारी, उप जिला अधिकारी प्रमोद कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह, जल निगम के अधिशासी अभियंता आशीष कुमार मिश्रा, यूपीसीएल अधिशासी अभियंता नंदिता अग्रवाल, ग्रामीण विकास विभाग के अधि शासी अभियंता दिनेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुमार आदित्य, सीओ गणेश लाल कोहली, एआरटीओ पंकज श्रीवास्तव, जल संस्थान के अधि शासी अभियंता संतोष कुमार उपाध्याय, नगर निगम एसएनए अजहर अली सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्मैक तस्करी में युवक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 8.32 ग्राम स्मैक व एक इलैक्ट्रानिक तराजू भी बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी/एएनटीएफ अल्मोड़ा की सटीक सूचना पर कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस एवं जनपद एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा बेस तिराहा अल्मोड़ा के पास चेकिंग अभिान चलाया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त टीम को एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 8.32 ग्राम स्मैक व एक इलैक्ट्रानिक तराजू बरामद किया। पूछताछ में उसने अपना नाम जलज धामी पुत्र चन्दन सिंह धामी निवासी अल्मोड़ा बताया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। जबकि बरामद स्मैक की कीमत 82 हजार रूपये आंकी जा रही है।

उमर खालिद को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद को झटका देते हुए उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता सितंबर 2020 से हिरासत में है। उमर खालिद पर पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक बड़े षड्यंत्र के तहत यूएपीए के तहत मामला दर्ज है। सीएए प्रोटेस्ट के दौरान ये दंगे दिसंबर 2019 और फरवरी 2020 में पूर्वोत्तर दिल्ली में हुए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की विशेष खंडपीठ ने कार्यकर्ता की जमानत याचिका पर यह आदेश सुनाया। नौ सितंबर को आदेश सुरक्षित रखा गया था। पीठ ने कहा, श्हमें जमानत की अपील में कोई दम नहीं लगता, जमानत की अपील खारिज की जाती है। पीठ ने अपने आदेश में कहा, चार्ज-शीट को ध्यान से पढ़ने और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अपीलकर्ता शरजील इमाम सहित अन्य सह-आरोपियों के साथ लगातार संपर्क में था, जो यकीनन साजिश के प्रमुख हैं। इस स्तर पर, एक राय बनाना मुश्किल है कि यह मानने के लिए उचित आधार नहीं हैं कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया साबित नहीं हुआ है। इससे पूर्व सुनवाई में खालिद की जमानत का विरोध करते हुए, विशेष अभियोजक अमित प्रसाद ने प्रस्तुत किया कि फरवरी 2020 में अमरावती में खालिद का भाषण एक बहुत ही सुविचारित भाषण था जिसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद, तीन तलाक, कश्मीर, मुसलमानों का दमन, सीएए और सहित कई बिंदु उठाए थे। एनआरसी, और सरकार के खिलाफ सड़कों पर विरोध का आह्वान किया था।

फाईनेंस कम्पनी के कलेक्शन मैनेजर के खिलाफ धोखाधडी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। ग्राहकों से लाखों रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने कम्पनी के कलेक्शन मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चकराता रोड स्थित सीएसएल फाईनेंस लिमिटेड के मैनेजर अर्जुन सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि भागीरथी कंडारी एन्क्लेव श्यामपुर निवासी पवन सिंह के द्वारा कम्पनी में कलेक्शन मैनेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए ग्राहक नईम अहमद से लोन एकाउंट बंद करने के एवज में 5 लाख 70 हजार 465 रूपये लेना व एक अन्य ग्राहक को कैरेक्टर सार्टिफिकेट प्रदान कर नकली ईमेल आईडी बनाकर कर रूपये ऐठने कुल 6 लाख 36 हजार 758 रूपये की धोखाधडी कर कम्पनी को नुकसान पहुंचाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छेड़छाड़ में क्लीनिक के मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवती से छेडछाड कर अश्लील टिप्पणी करने पर एक क्लीनिक के मैनेजर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईसी रोड निवासी युवती ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह ईसी रोड स्थित एक क्लीनिक में गयी थी। वहां के मैनेजर नलिन के द्वारा उसके साथ छेडछाड करते हुए उसके ऊपर अश्लील टिप्पणी भी की। जब उसने उसका विरोध किया तो उसने उसको जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक व चरस के साथ तीन गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक व चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर कोतवाली पुलिस ने ढकरानी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम जुबेर पुत्र हनीफ निवासी ढकरानी बताया। वहीं सहसपुर थाना पुलिस ने सहारनपुर रोड पर जिला पंचायत के बैरियर के पास से व्यक्ति को 228 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम नौशाद पुत्र इस्लाम निवासी खुशहाल पुर बताया। वहीं प्रेमनगर थाना पुलिस ने सात ग्राम स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम मोनिस पुत्र मतलूब निवासी पिथुवाला बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 40 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। एटीएम कार्ड बदलकर खाते से चालीस हजार रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनिकी रेती निवासी राखी सजवाड ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह हरिद्वार रोड स्थित पीएनबी के एटीएम में पैसा निकालने गयी थी वहां पर मौजूद दो युवकों ने धोखे से उसका एटीएम बदल दिया। थोडी देर बाद ही उसको बैंक से मैसेज आया कि उसके खाते से चालीस हजार रूपये निकाल लिये गये हैं। उसका तब पता चला कि उसका एटीएम कार्ड बदल दिया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वकील की भूमिका निभाएंगे चंदन रॉय सान्याल

अभिनेता चंदन रॉय सान्याल रवीना टंडन-स्टारर पटना शुक्ला में दिखाई देंगे। बिहार पर आधारित इस फिल्म में चंदन एक वकील की भूमिका निभाएंगे। पटना शुक्ला दबंग निर्माता अरबाज खान द्वारा निर्मित एक सामाजिक-ड्रामा है और इसे विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं पटना शुक्ला में एक वकील की भूमिका निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं, यह फिल्म एक आदर्श मनोरंजन है। मैं शक्तिशाली कलाकारों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं! फिल्म में रवीना और चंदन के अलावा सतीश कौशिक, मानव विज, जतिन गोस्वामी और अनुष्का कौशिक भी हैं। पटना शुक्ला अगले साल रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

स्किन को नुकसान पहुंचा सकती हैं मेकअप रिमूविंग मिसटेक्स

मेकअप आज के समय में महिलाओं के दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका हैं। महिलाएं अपनी नेचुरल स्किन को और भी ज्यादा ब्यूटीफुल दिखाने के लिए मेकअप का सहारा लेती हैं। मेकअप महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ महिलाओं के आत्मविश्वाश को भी बढ़ाने का काम करता है। हर महिला के लिए मेकअप को सही तरह से अप्लाई करना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक है उसे रिमूव करना। मेकअप रिमूव करते समय महिलाएं अनजाने में कुछ आम गलतियां कर बैठती हैं जिसका खामियाजा उनकी त्वचा को भुगतना पड़ सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही मेकअप रिमूविंग मिसटेक्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें ध्यान में रखकर आप अपनी त्वचा को डैमेज होने से बचा सकती हैं। आइये जानते हैं इन मिसटेक्स के बारे में...

केवल फेशियल वाइप्स का इस्तेमाल करना

एक लंबे और थका देने वाले दिन के बाद यकीनन आप मेकअप रिमूव करने में बहुत अधिक समय और मेहनत नष्ट नहीं करना चाहेंगी। हो सकता है कि आप इसे जल्दी रिमूव करने के लिए फेशियल या क्लींजिंग वाइप्स का इस्तेमाल करती हों। लेकिन यह पूरी तरह से आपके मेकअप को क्लीन नहीं करते। इतना ही नहीं, फेशियल वाइप्स के इस्तेमाल के कारण चेहरे के एक क्षेत्र से दूसरे हिस्से में गंदगी स्थानांतरित करने का जोखिम अधिक होता है। यदि आप अपने चेहरे को क्लींजर और पानी से धोना नहीं चाहती हैं तो ऐसे में मिसेलर वाटर का इस्तेमाल करें। यह बेहद प्रभावी तरीके से चेहरे से मेकअप को हटा देता है। इतना ही नहीं, आपको बाद में अपना चेहरा धोने की आवश्यकता नहीं है।

बहुत जोर से रब करना

कुछ महिलाएं आई मेकअप करते हुए काफी जल्दी में होती हैं और इसलिए वह मेकअप को क्लीन करने के लिए बहुत जोर से रब करती हैं। अगर आप भी ऐसा ही करती हैं तो समझ लीजिए कि आप बहुत बड़ी गलती कर रही हैं। ध्यान रखें कि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत ही डेलीकेट होती हैं। इसे आगे और पीछे रगड़ने से त्वचा में कोलेजन और इलास्टिन टूट सकते हैं, जिससे आप आंखों में लकीरें और महीन रेखाएं आ सकती हैं। जिससे आप समय से पहले ही बूढ़ी दिखने लगेंगी। इतना ही नहीं, जब आप जोर से रब करके आईमेकअप रिमूव करती हैं, तो इससे आंखों में दर्द, जलन व रेडनेस आदि की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसलिए अपने आई मेकअप को हटाते समय ज्यादा दबाव डालने से बचें।

सही प्रोडक्ट का करें इस्तेमाल

मेकअप रिमूव करने के लिए अपनी स्किन टाइप को ध्यान में रखकर किसी अच्छे ब्रांड के प्रोडक्ट का ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा हाईड्रेटिंग तत्वों से भरपूर मेकअप रिमूवर प्रोडक्ट का प्रयोग करने को ही तवज्जो दें। इससे आपकी स्किन फ्रेश और ग्लोइंग बनी रहेगी।

लिपस्टिक को लास्ट में क्लीन करना

आपको लिप मेकअप बाद में रिमूव करना चाहिए या नहीं, यह आपके लिप कलर पर भी निर्भर करता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आपने बोल्ड लिपस्टिक को अप्लाई किया है तो ऐसे में बाद में लिपस्टिक को क्लीन करने की भूल ना करें। अगर आप ऐसा करेंगी तो मेकअप रिमूव करते समय लिपस्टिक आपके फेस पर फैल जाएगी और आपका काम बढ़ जाएगा। इसलिए लिपस्टिक को पहले क्लीन करें।

इन्स्ट्रक्शन को नजरअंदाज करना

यूं तो अधिकतर मेकअप रिमूवर एक ही तरह से काम करते हैं। लेकिन फिर भी कुछ मेकअप रिमूवर ऐसे होते हैं, जो एक अलग तरह से प्रभाव डालते हैं और इसलिए आपको पैकेजिंग पर लिखे इन्स्ट्रक्शन को एक बार अवश्य पढ़ना चाहिए। मसलन, अगर आप वाटरप्रूफ मेकअप का उपयोग कर रही हैं तो आपको विभिन्न प्रकार के मेकअप रिमूवर की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, यदि आपका मेकअप रिमूवर बोतल में आता है, तो उपयोग करने से पहले उसे हिलाना ना भूलें और निर्देश पढ़ने के बाद ही इस्तेमाल करें।

होममेड मेकअप रिमूवर को कहें ना

वैसे तो होममेड मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल त्वचा के लिए कैमिकल फ्री होता है। मगर, कुछ महिलाएं जानकारी के अभाव में घर पर मेकअप रिमूवर बनाते समय त्वचा को सूट ना करने वाली चीजों को भी इसमें एड कर लेती हैं। जिससे त्वचा पर खुजली और जलन होने लगती है। साथ ही होममेड मेकअप रिमूवर से मेकअप उतारने के लिए त्वचा को काफी रगड़ना भी पड़ सकता है। जिससे स्किन ढीली होने लगती है।

आखिरी में फेस वॉश ना करना

यह तो हम सभी जानते हैं कि मेकअप क्लीन करने के लिए मार्केट में अलग मेकअप रिमूवर अवेलेबल हैं, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आप केवल मेकअप रिमूवर से ही पूरी तरह मेकअप को क्लीन कर सकती हैं। अगर आप लास्ट में फेस वॉश नहीं करतीं, तो इससे मेकअप के कुछ पार्टिकल्स व गंदगी आदि चेहरे पर रह जाती है, जो वास्तव में उसे डैमेज कर सकती है। इसलिए पहले मेकअप को रिमूव करें और फिर फेस वॉश करें। अगर संभव हो तो आप गर्म तौलिये से भाप लेने की भी कोशिश करें। यह आपकी स्किन को अतिरिक्त लाभ पहुंचाएगा।(आरएनएस)

नई शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता वर्तमान में आवश्यक है:रावत

संवाददाता

देहरादून। प्रो. कुलदीप रावत ने कहा कि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास बौद्धिक एवं तकनीकी विकास कैसे हो इसके लिए नई शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता वर्तमान में आवश्यक है।

आज यहां राजकीय महाविद्यालय देहरादून शहर में नई शिक्षा नीति 2020 के विषय में नव प्रवेशित छात्र, छात्राओं के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. डीएस मेहरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. कुलदीप रावत ने नई शिक्षा निति विद्यमान उपयोगिता से छात्रों को अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास बौद्धिक एवं तकनीकी विकास कैसे हो इसके लिए नई शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता वर्तमान में आवश्यक है। इसके साथ ही प्रो रावत ने प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्रों को नई शिक्षा नीति की प्रणाली के विषय में समझाया। डॉ पायल अरोड़ा ने बताया कि नई शिक्षा नीति छात्र छात्राओं के कौशल विकास एवं कम्युनिकेशन डेवलपमेंट की अपार संभावनाओं के लिए है, जिससे छात्र-छात्राएं आसानी से प्राप्त कर सकते हैं डॉ रोहित नेगी ने समाजशास्त्र विषय से रोजगार के अवसर पर वक्तव्य दिया। डॉ प्रदीप पेटवाल ने संस्कृत में आयुर्वेद ,ज्योतिष आदि में रोजगार के अवसरों पर अपने-अपने बात कही। डॉ कपिल सेमवाल ने कहा कि हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर है इसलिए शिक्षा नीति में हिंदी भाषा को स्किल डेवलपमेंट विषयों में पढ़ा जा सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीएस मेहरा ने कहा कि छात्र-छात्राओं में आत्मनिर्भरता लाने के लिए नई शिक्षा नीति 2022 में लागू किया गया है। उन्होंने छात्र छत्राओं में अनुशासन की अनिवार्यता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ कामना लोहनी ने किया। उन्होंने कहा कि औद्योगिक शिक्षा को नई शिक्षा नीति 2020 में जोड़ा गया है। जिससे छात्र, छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा। कार्यक्रम में डॉ डीपी पांडे, डॉ मुक्ता डंगवाल, डॉ रेनू गौतम, डॉ पंकज बहुगुणा, डॉ सुनैना रावत, डॉ भालचन्द्र नेगी, डॉ मंजू भंडारी डॉक्टर हेमलता खाती, डॉ प्रतिभा बलूनी, डॉ प्रत्युषा ठाकुर डॉ, विनीता सुंद्रियाल, अर्चना, मोहिनी, प्रताप, पंकज आदि उपस्थित रहे।

संसदीय समितियों में बदलाव क्यों?

लोकसभा के कार्यकाल के बीच में संसद की स्थायी समितियों में बदलाव किया गया है। आमतौर पर नई लोकसभा के गठन के समय समितियों का गठन होता है और सत्ता पक्ष व विपक्षी पार्टियों की संख्या के हिसाब से संसदीय समितियों की अध्यक्षता का विभाजन होता है। इस बार लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने से डेढ़ साल पहले संसद की स्थायी समितियों का नए सिरे से बंटवारा किया गया है। ऐसा क्यों किया गया है, यह समझना मुश्किल नहीं है। केंद्र सरकार ने तमाम महत्वपूर्ण मंत्रालयों की स्थायी समितियां विपक्षी पार्टियों से ले ली हैं।

असल में सरकार नहीं चाहती है कि डेढ़ साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले कोई बड़ा राजनीतिक मुद्दा आए। अगर संवेदनशील मंत्रालयों की अध्यक्षता विपक्ष के पास रहती है तो उसके सामने कोई गंभीर विषय आने पर उसका मुद्दा बन सकता है। तभी विपक्षी पार्टियों से सभी अहम विभाग ले लिए गए हैं। शीर्ष चार मंत्रालयों- विदेश, वित्त, गृह और रक्षा से जुड़ी स्थायी समितियों की अध्यक्षता अब भाजपा के पास है। पहले गृह मंत्रालय की संसदीय समिति की अध्यक्षता कांग्रेस के पास थी और अभिषेक मनु सिंघवी उसके अध्यक्ष थे। लेकिन अब कांग्रेस से यह समिति ले ली गई है।

इसी तरह कांग्रेस के पास संचार और प्रौद्योगिकी मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति भी थी, जिसके अध्यक्ष शशि थरूर थे। लेकिन वह भी कांग्रेस से लेकर भाजपा की सहयोगी शिव सेना के एकनाथ शिंदे गुट को दे दी गई है। असल में इस मंत्रालय को पहले बहुत अहम नहीं माना जाता था लेकिन शशि थरूर ने अपनी सक्रियता से इसे बहुत महत्वपूर्ण बना दिया। उन्होंने फर्जी खबरों, नफरत फैलाने वाली खबरों आदि को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को कठघरे में खड़ा किया और उसके अधिकारियों को संसदीय समिति के सामने बुलाया। इस बीच सरकार ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाने शुरू किए, जिसे लेकर टकराव की स्थिति बनी। तभी इस संसदीय समिति का महत्व बढ़ा तो कांग्रेस से इसे वापस ले लिया गया।

ऐसा लग रहा है कि अपने राजनीतिक मकसद को ध्यान में रखते हुए सरकार ने संसदीय समितियों कां बंटवारा किया और उसमें किसी लॉजिक का ध्यान नहीं रखा। मनमाने तरीके से बंटवारा कर दिया गया। कांग्रेस के पास दोनों सदनों में 83 सांसद हैं, इसके बावजूद उसे सिर्फ एक वन व पर्यावरण की कमेटी मिली है। बताया जा रहा है कि रासायनिक खाद व उर्वरक मंत्रालय खाली रखा गया है कि अगर कांग्रेस राजी होगी तो उसे दिया जाएगा। दोनों सदनों में 36 सांसदों वाली दूसरी सबसे बडी विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को एक भी संसदीय समिति की अध्यक्षता नहीं मिली है और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा को भी एक भी समिति की अध्यक्षता नहीं मिली है।(आरएनएस)

हारी हुई सीटों पर भाजपा की प्लानिंग

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा जितनी सीटों पर हारी थी उन सीटों पर पार्टी ने दूसरे चरण की प्लानिंग शुरू कर दी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 144 सीटों पर हारी थी।

अगले चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में उन 144 सीटों पर पहले चरण की प्लानिंग के तहत केंद्रीय मंत्रियों को भेजा गया था। हर केंद्रीय मंत्री के जिम्मे तीन-चार सीटों का जिम्मा था। पिछले महीने केंद्रीय मंत्रियों ने इन सीटों के बारे में अपनी रिपोर्ट दी। सितंबर में हुई बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों शामिल हुए थे। उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों से रिपोर्ट ली और उनको सख्त चेतावनी के साथ भाजपा की कमजोर सीटों पर काम करने की जिम्मेदारी दी गई।

अब उन 144 सीटों पर भाजपा की तैयारियों का दूसरा चरण शुरू हो गया है। सितंबर में हुई बैठक के बाद पार्टी ने इनमें से आधी सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इनमें से जीत सकने वाली सीटों की पहचान की गई है। भाजपा के जानकार सूत्रों के मुताबिक ऐसी 40 सीटों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियां होंगी।

बताया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रियों और स्थानीय नेताओं ने सुझाव दिया है कि प्रधानमंत्री की रैलियों से भाजपा की हवा इन सीटों पर बन सकती है। इसलिए चुनाव के एक साल पहले ही इन सीटों पर प्रधानमंत्रियों की रैलियां शुरू हो जाएंगी। बाकी सीटों पर अमित शाह और जेपी नड्डा की रैलियां होंगी। पिछली बार हारी हुई सीटों में से आसान सीटों पर बड़ी केंद्रीय योजनाओं की घोषणा होगी और साथ ही प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन और शिलान्यास का कार्यक्रम होगा। पार्टी इन सीटों पर उम्मीदवारों की छंटनी भी कर रही है।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के फायदे और नुकसान

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट एक सेमी-परमानेंट हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट है। यह रासायनिक प्रक्रिया केराटिन (बालों में पाया जाने वाला एक रेशेदार प्रोटीन) की कमी को पूरा करके बालों को मुलायम और चमकदार बना सकती है। आमतौर पर हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट बालों में प्रोटीन बॉन्ड को तोड़ते हैं, लेकिन केराटिन हेयर ट्रीटमेंट बॉन्ड्स को तोड़े बिना बालों को सीधा कर सकता है। आइए जानें कि यह ट्रीटमेंट कितना सुरक्षित है और यह किन बालों पर करवाना सही है।

क्या केराटिन हेयर ट्रीटमेंट सुरक्षित है?

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट सुरक्षित है, लेकिन यह तब नुकसान पहुंचा सकता है जब ट्रीटमेंट के दौरान आपके बालों पर अधिक ब्लो ड्रायर या फ्लैट आयरन का इस्तेमाल किया जाए। हालांकि, अगर आप किसी भी नुकसान से बचना चाहते हैं तो इस ट्रीटमेंट के लिए एक अनुभवी हेयर स्टाइलिस्ट को ही चुनें। केराटिन हेयर ट्रीटमेंट आपके बालों की कई समस्याओं को हल कर सकता है, लेकिन इसके लिए आपको कुछ दिशानिर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट की तैयारी कैसे करें?

इस ट्रीटमेंट से जुड़ी रिसर्च करें और केराटिन ट्रीटमेंट के लिए जाने से पहले ध्यान दें कि यह आपके बालों के प्रकार, बनावट और लंबाई के लिए उपयुक्त हो। ट्रीटमेंट से एक हफ्ते पहले अपने बालों को डीप कंडीशन करें। यह आपके स्कैल्प को मॉइश्चराइज करेगा और ट्रीटमेंट के दौरान होने वाले नुकसान से बचाएगा। ट्रीटमेंट से दो दिन पहले हैवी शैंपू या तेल का इस्तेमाल करने से बचें। ट्रीटमेंट से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट इससे जुड़े सवाल-जवाब करें।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट कैसे किया जाता है?

आपके बालों के प्रकार, लंबाई, बनावट और मोटाई के आधार पर केराटिन हेयर ट्रीटमेंट करवाने में एक-दो घंटे का समय लग सकता है। यह ट्रीटमेंट शुरू करने से पहले हेयर स्टाइलिस्ट स्कैल्प से गंदगी हटाने के लिए सिर को क्लींजर से साफ करता है। इसके बाद वह बालों के सेक्शन करके इन पर केराटिन का घोल लगाता है और एक घंटे के बाद सिर को पानी से साफ करता है। फिर बालों पर हीट स्टाइलिंग टूल्स का इस्तेमाल होता है।

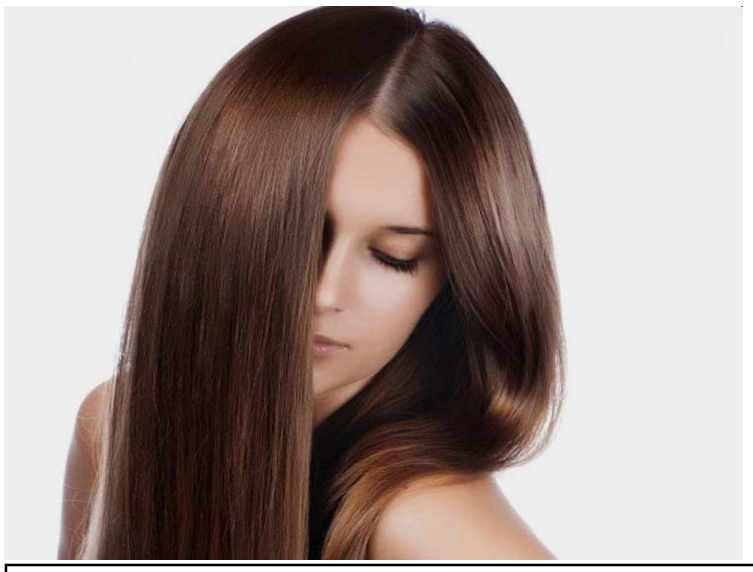

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के फायदे

घुंघराले बालों वाले लोगों के लिए केराटिन हेयर ट्रीटमेंट बहुत अच्छा काम करता है। यह ट्रीटमेंट रूखे और बेजान बालों को ठीक कर सकता है। यह वॉल्यूमाइज्ड लुक बनाए रखने में भी कारगर है। इससे स्कैल्प में जलन या बालों के झड़ने जैसी कोई समस्या नहीं होती है। यह बालों का उलझाव कम करता है। इससे बाल चमकदार और मुलायम होते हैं। यह आपके बालों को मजबूत करता है। इसकी मदद से हेयर स्टाइलिंग आसान हो जाती है।

केराटिन हेयर ट्रीटमेंट के नुकसान

इस ट्रीटमेंट के दौरान हीट स्टाइलिंग टूल्स का अधिक इस्तेमाल होता है तो इससे आपके बालों के क्यूटिकल्स को नुकसान पहुंच सकता है। कुछ केराटिन ट्रीटमेंट फॉर्मलाडेहाइड मुक्त होने का दावा करते हैं, लेकिन यह सच नहीं हो सकता है। इसलिए इसका पता लगाने के लिए किसी विशेषज्ञ की राय लें कि आपके बालों के प्रकार के लिए फॉर्मलाडेहाइड कितना सुरक्षित है। गर्भवती महिलाएं यह ट्रीटमेंट लेने से बचें क्योंकि इससे उन्हें काफी नुकसान पहुंच सकता है।

शब्द सामर्थ्य -004

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

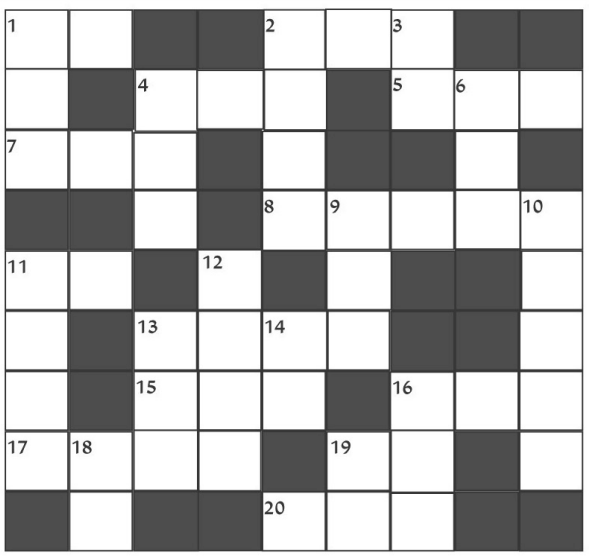

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 03 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

खुशी कपूर ने बोल्डनेस के मामले में जाह्नवी को दी मात

जाह्नवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर ने अभी हाल ही में अपनी नई तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में खुशी कपूर बेहद बोल्ड लग रही है। खुशी कपूर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। बोनी कपूर और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। वो अक्सर अपने फैंस के लिए तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर करती रहती है। उनकी तस्वीरें आते ही सोशल मीडिया पर छा जाती है। इसी बीच खुशी कपूर की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में खुशी कपूर अपनी बड़ी बहन जाह्नवी कपूर से भी ज्यादा बोल्ड लग रही है। खुशी कपूर के इस लुक को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे है।

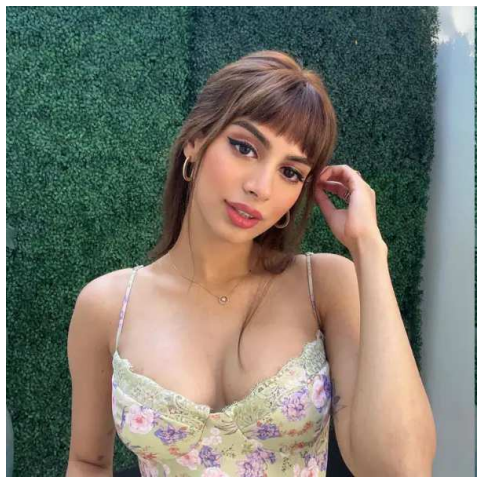

खुशी कपूर ने अभी हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में खुशी कपूर बेहद हसीन लग रही है। खुशी कपूर इन तस्वीरों में वन पीस ड्रेस पहने हुए नजर आ रही है। ये ड्रेस खुशी कपूर काफी अच्छी लग रही है। खुशी कपूर इस तस्वीर में अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही है। उनकी इस तस्वीर को फैंस खूब शेयर कर रहे है। खुशी कपूर इस तस्वीर में स्माइल पास करती हुई नजर आ रही है। उनकी ये प्यारी सी स्माइल फैंस का दिल लूट रही है। खुशी कपूर इन तस्वीरों में किलर पोज देती हुई नजर आ रही है। (आरएनएस)

एक्शन हीरोइन परिणीति चोपड़ा ने साझा की गन ट्रेनिंग की झलक

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, जो अनगिनत चोटों के बाद अपनी एक्शन फिल्म नंबर 2 के लिए तैयार हैं, ने फिल्म कोड नेम तिरंगा के लिए अपने बंदूक प्रशिक्षण से एक झलक साझा की है। परिणीति, जो फिल्म में एजेंट दुर्गा की भूमिका निभाती नजर आएंगी, ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह बंदूक पकड़े हुए चलने का अभ्यास करती नजर आ रही हैं। परिणीति ने तस्वीरों को कैप्शन दिया, जब आप बंदूक प्रशिक्षण ले रहे हों, लेकिन एक्शन निर्देशक पर अपने कौशल का उपयोग करना चाहते हैं, क्योंकि वह आपको आराम नहीं करने देते हैं! अनगिनत चोटों के बाद में, एजेंट दुर्गा (उर्फ स्ट्रॉन्ग मी) एक्शन फिल्म नंबर 2 के लिए तैयार है। हैशटैग-एक्शनहीरोइनइनट्रेनिंग हैशटैग-कोडनेम तिरंगा हैशटैग-स्टंटापरिणीति ने यह भी साझा किया कि फिल्म कोड नेम तिरंगा में एक कुलीन एजेंट के रूप में अपनी भूमिका को पूरा करने के लिए उन्हें तीन महीने तक इजरायली मार्शल आर्ट क्राव मागा सीखना पड़ा। कोड नेम तिरंगा में परिणीति के साथ हार्डी संधू भी हैं और यह 14 अक्टूबर को रिलीज हुई।

मणिरत्नम की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं शाहरुख खान

बॉलीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म पठान को लेकर काफी चर्चा में बने हुए है। इसको लेकर शाहरुख खान ने अभी हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म पठान को लेकर एक पोस्ट भी शेयर की थी। जिसको लेकर काफी सोशल मीडिया पर काफी बातें हुई थी। अब शाहरुख खान को लेकर 'पोन्नियन सेलवन के डायरेक्टर मणिरत्नम ने कुछ ऐसा बोला दिया है, जिसके बाद एक बार फिर पठान एक्टर शाहरुख खान को लेकर बी-टाउन में चर्चा शुरू हो गई है। तो चलिए जानते है उन्होंने क्या बोला है। डायरेक्टर मणिरत्नम अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में बने रहते है। वो इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पोन्नियन सेलवन को लेकर काफी चर्चा में बने हुए है। मणिरत्नम से एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान को लेकर सवाल किया गया। उनसे पूछा गया क्या आप और शाहरुख खान के साथ फिर काम करने वाले है। मणिरत्नम ने इसका बेहद शानदार जवाब दिया। उन्होंने कहा, मेरी शाहरुख से इवेंट में मुलाकात होती है। अभी मेरे पास स्क्रिप्ट नहीं है, जिसको लेकर मैं उन से मिल संकू। इसके आगे उन्होंने कहा, जब मुझे उनके हिसाब से स्क्रिप्ट का आइडिया मिलेगा, तब शाहरुख के पास जाऊंगा। इस खबर के सामने आने के बाद फैंस के बार फिर मणिरत्नम और शाहरुख खान को साथ देखने के इंतजार कर रहे है। बॉलीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान मणिरत्नम की फिल्म 'दिल से' में नजर आ चुके है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ प्रीति जिंटा और मनीषा कोइराला लीड रोल में थी। जानकारी के लिए बता दें कि मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियन सेलवन जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय लीड रोल में नजर आने वाली है।(आरएनएस)

वर्क आउट करना बहुत अच्छा, लेकिन अधिक एक्सरसाइज करना अच्छा नहीं:सीरत कपूर

बॉलीवुड इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो बाहर से ग्लैम, शोहरत और चमक से भरपूर है लेकिन हकीकत कभी-कभी बहुत अलग होती है। प्रसिद्धि और चमक के साथ, आपके मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत अधिक तनाव और दबाव भी आता है। इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं जो इससे जुड़ी बातें शेयर करते हैं, और ऐसी ही एक विचारशील अभिनेत्री हैं सीरत कपूर। अभिनेत्री, जिसकी सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फोल्लोविंग हैं, उनके पास अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने के लिए हमेशा कुछ बहुत ही दिलचस्प चीजे होती है।

सीरत जो फिटनेस के मामले में बहोत सतर्क है, हमेशा अपने एक्सरसाइज वीडियो साझा करती है और मानसिक स्वास्थ्य और इसके महत्व के बारे में बात करती देखी गई है।

बॉलीवुड उद्योग जिस मौजूदा दौर से गुजर रहा है इसे देखते सीरत कहती हे , ऐसे आज कल के युवा जीवन के नुकसान को देखना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक है। आज, फिट होने का अर्थ गलत समझा गया है जो सिर्फ टोंड बॉडी तक सीमित हो गया है, लेकिन इसके साथ आपकी मेन्टल हेल्थ का भी ध्यान रखना जरुरी हे।

इस पर और बात करते हुए, सीरत कहती हे वर्क आउट करना बहुत अच्छा है, लेकिन अधिक एक्सरसाइज करना अच्छा नहीं होते और इससे कुछ भी हो सकता हे और हम सभी को सावधान रहना चाहिए। हमें अपने विचारों पर ध्यान देना शुरू करना चाहिए, जो हम खुद से और दूसरों से कहते हैं। अपने आप को भावनाओं व्यक्त करना चाइये। एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील श्रोता बनें क्योंकि जीवन सभी के लिए कठिन है और हर कोई सीख रहा है कि कैसे सामना करना है और अपने आंतरिक संघर्षों से ऊपर उठना है। कोई दो लोग एक जैसे नहीं होते हैं और ना ही उनके हालात। तो आइए होशपूर्वक दूसरे के काम के मोर्चे पर, सीरत कपूर मारीच में तुषार कपूर और नसीरुद्दीन शाह के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करेंगी।

आसिफ अली-स्टारर 'कासरगोल्ड' सोने की तस्करी के इर्द-गिर्द बुनी गई एक हाई-ऑक्टेन थ्रिलर

निर्देशक मृदुल नायर की अगली फिल्म, 'कासरगोल्ड' सोने की तस्करी के इर्द-गिर्द बुनी गई एक हाई-ऑक्टेन थ्रिलर होगी। फिल्म में अभिनेता आसिफ अली मुख्य भूमिका में हैं। यूडली फिल्म्स मुखरी एंटरटेनमेंट एलएलपी के साथ मिलकर इस एक्शन थ्रिलर का निर्माण कर रही है। फिल्म में आसिफ अली के अलावा शाइन टॉम चाको, सनी वेन और दीपक परम्बोल भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

फिल्म दोस्तों के बारे में एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर है और कैसे लालच उनकी दोस्ती की गतिशीलता को बदल देता है। यूडली पहले ही मलयालम फिल्म उद्योग में 'पदवेट्टु', 'कापा' और 'अनवेशीपिन कंडेथुम' जैसे उपक्रमों के साथ एक बड़ी धूम मचा चुका है। सारेगामा इंडिया के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ आनंद कुमार कहते हैं, आसिफ के साथ यह हमारा दूसरा प्रोजेक्ट है और मृदुल के साथ हमारा पहला। वे दोनों बेहद प्रतिभाशाली हैं और नई पीढ़ी की प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करते हैं जो मलयालम सिनेमा को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। अभिनेता आसिफ अली कहते हैं, 'कासरगोल्ड' 'कापा' के बाद यूडली के साथ मेरी दूसरी और मृदुल के साथ मेरी तीसरी फिल्म है और इससे पहले मैंने जो कुछ भी किया है, वह पूरी तरह से अलग है। यह एक हाई-ऑक्टेन थ्रिलर है जिसमें सोने की तस्करी से संबंधित कई ऐसी स्थितियां पैदा होती हैं जो इंसान सोच नहीं सकता। लेखक-निर्देशक मृदुल नायर कहते हैं, आसिफ एक ऐसे अभिनेता हैं, जो कम शब्दों में बहुत कुछ बताते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर बड़े पर्दे की हिस्टरीऑनिक्स भी ला सकते हैं। इस फिल्म में दोनों के लिए जगह है और मुझे खुशी है कि मैं उनके साथ फिर से काम कर रहा हूं।

निमार्ता सूरज कुमार कहते हैं, यह पहली बार है जब मैं किसी फिल्म का निर्माण कर रहा हूं। इसमें इतने शानदार कलाकार हैं। मुझे यूडली फिल्म्स और सारेगामा के साथ काम करना बहुत पसंद आया और मुझे यकीन है कि 'कासरगोल्ड' एक बड़ी सफलता होगी। (आरएनएस)

बाबू जगजीवन राम की भूमिका निभाएंगे सतीश कौशिक

अभिनेता सतीश कौशिक को आगामी फिल्म इमरजेंसी में कार्यकर्ता और राजनेता जगजीवन राम की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। इस फिल्म में अभिनेत्री कंगना रनौत पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभा रही हैं। सतीश कौशिक के फिल्म के कलाकारों में शामिल होने के बारे में बात करते हुए, कंगना कहती हैं, जगजीवन राम एक बहुत लोकप्रिय नेता थे। अपने समय के सबसे प्रिय और सम्मानित नेताओं में से एक। जब श्रीमती गांधी ने आपातकाल में ढील देने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, तो उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और फिर उसके गंभीर परिणाम निकले। यही उनकी प्रासंगिकता थी। मुझे इस भूमिका के लिए किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जिसमें उनकी ताकत, उनकी बुद्धि और कटाक्ष हो।

सतीशजी इस भूमिका के लिए एक स्पष्ट पसंद थे। मैं एक अभिनेता के रूप में उनके साथ अपने दृश्यों की प्रतीक्षा कर रही हूं। अभिनेत्री द्वारा निर्देशित, फिल्म के अभिनेताओं की श्रृंखला जबरदस्त है।

अनुपम खेर क्रांतिकारी नेता जेपी नारायण, श्रेयस तलपड़े दिवंगत राजनेता अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका निभाते नजर आएंगे, महिमा चौधरी लेखक पुपुल जयकर की भूमिका निभाते नजर आएंगे, मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की भूमिका निभाएंगे, विशाक नायर संजय गांधी के रूप में होंगे। इसको लेकर सतीश कहते हैं, जब आप एक ऐतिहासिक या राजनीतिक व्यक्तित्व की भूमिका निभा रहे होते हैं, तो आपको वास्तव में उस व्यक्ति के बारे में बहुत अध्ययन और शोध करना पड़ता है, जिसे आप निभा रहे हैं। भारत के पूर्व रक्षा मंत्री बाबू जगजीवन राम जी की भूमिका निभाना एक शानदार एहसास होगा। यह मेरे निर्देशक, कंगना रनौत की मदद के बिना संभव नहीं होता, जो बहुत ही शांत और शानदार है।

मणिकर्णिका फिल्म्स इमरजेंसी बना रही है, जिसे कंगना रनौत ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण रेणु पिट्टी और कंगना रनौत ने किया है। पटकथा और संवाद रितेश शाह के हैं।

संघ ने चिंता जताई, दबाव क्यों नहीं बनाया ?

अजीत द्विवेदी

देर से ही सही लेकिन राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने देश के सामने मौजूद तीन सबसे बड़ी समस्याओं- गरीबी, बेरोजगारी और असमानता को लेकर चिंता जताई है। संघ के नंबर दो पदाधिकारी सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने स्वदेशी जागरण मंच के एक कार्यक्रम में गरीबी को लेकर कहा कि 'देश में गरीबी एक राक्षस की तरह हमारे सामने खड़ी है और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम इस राक्षस को समाप्त करें'। असमानता को लेकर उन्होंने कहा कि 'देश की राष्ट्रीय आय का 20 फीसदी हिस्सा एक फीसदी लोगों के पास हैं, जबकि देश की आधी आबादी यानी 50 फीसदी आबादी के पास राष्ट्रीय आय का सिर्फ 13 फीसदी हिस्सा है।' उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि देश में 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं और 23 करोड़ लोग हर दिन 375 रुपए से भी कम कमा रहे हैं। बेरोजगारी को लेकर होसबाले ने कहा, 'भारत में चार करोड़ बेरोजगार लोग हैं, जिनमें से 2.2 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में और 1.8 करोड़ ग्रामीण क्षेत्रों में हैं'।

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अनुषंगी संगठनों की ओर से सरकार की कुछ नीतियों को लेकर समय समय पर चिंता जताई जाती रही है। स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ या भारतीय मजदूर संघ की ओर से नीतिगत मसलों पर सवाल उठाए जाते हैं। लेकिन हाल के समय में यह पहली बार है, जब सीधे संघ के नंबर दो पदाधिकारी ने केंद्र सरकार की नीतियों की परिणति के तौर पर पैदा हुई गरीबी, बेरोजगारी और असमानता का व्यापक मुद्दा उठाया है। यह इस लिहाज से बहुत अहम है क्योंकि यह किसी एक नीति की आलोचना या एक नीति के मामले में सुझाव नहीं है, बल्कि एक व्यापक चिंता का मुद्दा है, जो आज देश के सामने मौजूद है। भारत पहले भी गरीबी, बेरोजगारी और असमानता से मुक्त नहीं था लेकिन पिछले आठ साल में आर्थिक नीतियों के साथ जिस तरह के प्रयोग किए गए हैं उनकी वजह से देश ऐसी स्थिति में पहुंचा है। भारत में करीब एक दशक तक गरीबी घटने का ट्रेंड था, जो अब पलट गया है और गरीबी बढ़ने लगी है। यह सरकारी नीतियों की गड़बड़ियों के कारण हुआ।

हैरानी की बात है कि जब सरकार आर्थिक नीतियों के साथ बेसिरपैर के प्रयोग कर रही थी, तब राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने चुप्पी साधे रखी या लगभग मौन सहमति दी। सबसे पहले नोटबंदी, फिर जल्दबाजी में लागू किए गए जीएसटी और उसके बाद कोरोना महामारी के दौरान लागू किए गए आर्थिक पैकेज के समय संघ की ओर से कोई प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। ये तीन बुनियादी मुद्दे हैं, जिनकी वजह से देश की पूरी व्यवस्था बिगड़ गई। नोटबंदी और जीएसटी की व्यवस्था से छोटी व मझोली कंपनियों और स्वरोजगार करने वालों पर सबसे बड़ी मार पड़ी। उनके कामधंधे बंद हो गए। सरकार की नीतिगत गड़बड़ियों की वजह से उनका संघर्ष चल ही रहा था कि कोरोना की महामारी शुरू हो गई। कोरोना महामारी में सरकार ने बिना सोचे समझे पहले लॉकडाउन लगाया और उसके बाद जो आर्थिक पैकेज जारी किया उसमें किसी भी समूह की नकद मदद नहीं की गई। सरकार का पूरा आर्थिक पैकेज कर्ज के प्रावधान करने वाला था। इसका नतीजा यह हुआ है कि नोटबंदी और जीएसटी की मार झेल रहा एमएसएमई सेक्टर कोरोना की मार नहीं झेल सका और देश में सर्वाधिक लोगों को रोजगार देने वाला यह सेक्टर दम तोड़ रहा है।

इस बीच आर्थिक असमानता बढ़ाने वाली सरकारी नीतियां जारी रहीं। छोटी और मझोली कंपनियों को बढ़ावा देने की बजाय बड़े कॉरपोरेट बनाने के घोषित लक्ष्य के साथ सरकार काम करती रही। सारे बड़े ठेके चुनिंदा कंपनियों को दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के उपक्रमों को औने-पौने दाम पर चुनिंदा कंपनियों को बेचा जा रहा है। नई बनी दिवालिया संहिता के जरिए कंपनियों को दिवालिया होने और बैंकों के कर्ज नहीं चुकाने की छूट दी जा रही है। एक तरफ कंपनियां बैंकों के कर्ज नहीं चुका रही हैं और डिफॉल्ट करने के बाद वापस उन्हीं कंपनियों को औने-पौने दाम में हासिल कर ले रही हैं। इस तरह बैंकों को दोहरा नुकसान हो रहा है तो चुनिंदा कंपनियों की संपत्ति में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। कृत्रिम तरीके से रुपए को मजबूत रखने के लिए रिजर्व बैंक सुरक्षित मुद्रा भंडार से डॉलर निकाल कर मार्केट में फेंक रहा है तो दूसरी ओर सरकारी उपक्रमों से खरीद करवा कर शेयर बाजार को ऊंचा बनाए रखा गया है। इसी वजह से चुनिंदा कंपनियों के शेयरों में बेहिसाब तेजी आई है और आय की असमानता बढ़ती गई है।

संघ के नंबर दो पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि सरकार ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए पिछले कुछ बरसों में कई कदम उठाए हैं। लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। सरकार तेल की कीमतों में कमी करके महंगाई काबू में कर सकती है लेकिन उसने नहीं किया है। सरकार का खजाना अगर भरा हुआ है तो वह बड़ी संख्या में भर्ती करके बेरोजगारी दर को नियंत्रित कर सकती है लेकिन भर्ती के नाम पर वह चार साल के अग्निवीर बहाल कर रही है। सरकार अनाज खरीद बढ़ा कर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है लेकिन अनाज की सरकारी खरीद लगातार कम हो रही है। सरकार 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज दे रही है। लेकिन यह कोई उपाय नहीं है, बल्कि यह गरीबी, बेरोजगारी और असमानता की असली तस्वीर दिखाने वाला आईना है। इससे देश की वास्तविक स्थिति का पता चलता है।

सरकार असल में गरीबी घटाने, बेरोजगारी रोकने और असमानता दूर करने का कोई सांस्थायिक या नीतिगत प्रयास नहीं कर रही है। उलटे सरकार ने गरीबी और बेरोजगारी का आकलन करने की प्रक्रिया ही रोक दी है। भारत में उपभोक्ता खर्च के आधार पर गरीबी का आकलन होता है। सुरेश तेंदुलकर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर शहरों में हर दिन 29 रुपए और गांवों में 22 रुपए से कम खर्च करने वालों को गरीब माना जाता है। कंज्मप्शन एक्सपेंडिचर सर्वे यानी सीईएस के आधार पर इसका आकलन किया जाता है, लेकिन 2011 के बाद से इसका कोई अपडेट सरकार के पास नहीं है। सरकार ने 2017-18 के सीईएस के आंकड़े ठंडे बस्ते में डाल दिए। पीरियड लेबर फोर्स सर्वे यानी पीएलएफएस 2017-18 के आंकड़ों से पता चलता है कि चार दशक में पहली बार उपभोक्ता खर्च में कमी आई है। यह गरीबी बढ़ने का सीधा संकेत है। लेकिन सरकार ने इस आंकड़े को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया। भारत में 2011 तक गरीबों की संख्या घट कर 13 करोड़ रह गई थी, जिसमें 2019 तक साढ़े सात करोड़ से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई। यानी आंकड़ा 21 करोड़ के करीब पहुंच गया। कोरोना के बाद इसमें और बढ़ोतरी हुई होगी। देश की कुल राष्ट्रीय आय में शीर्ष 10 फीसदी लोगों के पास 57 फीसदी से ज्यादा आय है, जबकि बाकी 90 फीसदी लोग 43 फीसदी राष्ट्रीय आय में शामिल हैं।

असलियत यह है कि सरकार देश में गरीबी, बेरोजगारी और असमानता दिखाने वाला कोई आंकड़ा इकट्ठा नहीं कर रही है और इधर उधर से जो आंकड़े आ रहे हैं उन पर ध्यान भी नहीं दे रही है। सोचें, पिछले डेढ़ सौ साल में पहली बार ऐसा हो रहा है कि समय पर जनगणना नहीं हो रही है। सवाल है कि जब सरकार के पास आबादी और उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आंकड़ा ही नहीं होगा तो वह कैसे नीतियां बनाएगी और कैसे गरीबी, बेरोजगारी या असमानता दूर करने का प्रयास करेगी? ऐसा लग रहा है कि इन तीन बुनियादी समस्याओं को लेकर देश के लोगों में जो सोच बन रही है, नाराजगी पैदा हो रही है और सवाल उठ रहे हैं उसकी चिंता में ही संघ ने एक बयान देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी की है। अगर सचमुच उसको चिंता है तो उसे एक एक करके इनके समाधान के लिए सरकार पर दबाव डालना चाहिए अन्यथा सरकार इस तरह के बयानों पर कोई ध्यान नहीं देगी।

सू- दोकू क्र.004

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.03का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

पीके किसके लिए काम कर रहे हैं?

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पता नहीं श्रीलाल शुक्ल का कालजयी उपन्यास 'राग दरबारी' पढ़ा है या नहीं! उसमें एक चुनाव का प्रसंग है। एक बाबाजी उस गांव में पहुंचते हैं, जहां प्रधान का चुनाव होना है। वे धुनी रमाते हैं, अखंड कीर्तन शुरू करते हैं, गांजा-भांग की महफिल जमती है और वे इशारों इशारों में बता देते हैं कि भगवान ने उस गांव के लिए किसको प्रधान चुना है। नशा उतरने से पहले लोगों के दिल दिमाग में यह बात बैठ जाती है कि भगवान ने उनके लिए किसको चुना है। और इस तरह बाबाजी की पसंद का उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है।

प्रशांत किशोर बिहार में इसी नेवादावादी पद्धति से काम कर रहे हैं। फर्क यह है कि वे इशारों की बजाय खुल कर बिहार के लोगों को बता रहे हैं कि कौन दो लोग हैं, जिनकी वजह से बिहार बरबाद हुआ है और आगे उनको नहीं चुनना है। वे सुराज अभियान चला रहे हैं और बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। वे भी धुनी रमाए हुए हैं, अपनी तरह के भजन-कीर्तन हो रहे हैं और वे लोगों को बता रहे हैं कि पिछले 30-35 साल में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने बिहार को बरबाद कर दिया है। वे कहीं कहीं भाजपा पर भी हमला कर रहे हैं लेकिन दाल में नमक के बराबर भाजपा उनके निशाने पर है।

वे बड़ी सावधानी से यह बात छिपा जा रहे हैं कि बिहार की बरबादी अगर नीतीश कुमार की वजह से हुई है तो उसमें तीन-चौथाई समय तक भाजपा भी उनके साथ थी। 2013 से 2017 के चार साल को छोड़ दें तो 2005 से 2022 के 17 साल के नीतीश कुमार के कार्यकाल में 13 साल भाजपा उनकी सहयोगी रही है। 13 साल तक भाजपा के उप मुख्यमंत्री रहे हैं और अहम मंत्रालय भाजपा के नेताओं ने संभाले हैं। लेकिन प्रशांत किशोर के प्रचार का असर यह हो रहा है कि भाजपा उन 13 सालों की जिम्मेदारी से मुक्त हो रही है या उस पर परदा पड़ रहा है।

लोगों के दिमाग में यह बात बैठ रही है कि बिहार जिस स्थिति में है उसके लिए जिम्मेदार लालू प्रसाद और नीतीश कुमार हैं। हालांकि जाति में बंटे बिहार में यह प्रचार कितना काम आएगा, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि बिहार की युवा पीढ़ी में या जो लोग बाहर हैं उनके दिमाग में यह बात बैठ रही है कि पिछले साढ़े तीन दशक से सिर्फ दो पार्टियों का राज रहा है और सिर्फ दो चेहरे ही बिहार की बदहाली के लिए जिम्मेदार हैं। सो, भले प्रशांत किशोर अपने लिए या बिहार की भलाई के लिए काम कर रहे हों लेकिन उनके प्रचार का लाभार्थी भाजपा बन रही है। तभी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि प्रशांत किशोर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। (आरएनएस)

रिलीज हुआ फीफा वर्ल्ड कप का एंथम लाइट द स्काई

कतर में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2022 के लिए एंथम सॉन्ग लाइट द स्काई रिलीज कर दिया गया है। जी हाँ और सबसे खास बात यह है कि लाइट द स्काई गाने में बालीवुड एक्ट्रेस और डांस नोरा फतेही ने भी परफॉर्म किया है। आपको बता दें कि नोरा फतेही इस गाने में डांस करती और गाना गाती नजर आ रही हैं। रेड ऑन ने फीफा के गानों पर पहले भी काम किया है। जैसे शकीरा के वाका वाका और ला ला ला। फीफा ने इस एंथम को अपने यूट्यूब चैनल और ट्विटर पर शेयर किया है। आप सभी को बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप का आगाज 22 नवंबर 2022 से हो रहा है। फीफा वर्ल्ड कप 2022 के एंथम में आने के साथ ही नोरा फतेही शकीरा और जेनिफर लोपेज के क्लब में शामिल हो गई हैं। शकीरा ने साउथ अफ्रीका में आयोजित 2010 के फीफा वर्ल्ड कप का एन्थम सॉन्ग वाका-वाका में परफॉर्म किया था। इसी के साथ जेनिफर लोपेज फीफा वर्ल्ड कप 2014 के एंथम सॉन्ग वी आर वन में रैपर पिटबुल के साथ नजर आई थीं।अब अगर हम काम के बारे में बात करें तो नोरा फतेही वर्तमान में करण जौहर और माधुरी दीक्षित के साथ झलक दिखला जा के सीजन 10 में जज के रूप में नजर आ रही हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने फिल्म थैंक गॉड के मानिके गाने में अपने सिजलिंग डांस मूव्स से भी दर्शकों का दिल जीता था।

घर के मन्दिर से माता के अभूषण व श्रीकृष्ण की मूर्ति चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के अन्दर मन्दिर से माता के अभूषण, श्रीकृष्ण की मूर्ति व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नागल ज्वालापुर निवासी जितेन्द्र ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि किसी ने उनके घर के अन्दर स्थित मन्दिर से माता की सोने की नथ, सोने के टाप्स, बिछुए, पैडल, श्रीकृष्ण की पीली धातु की मूर्ति व दो हजार रूपये नगद चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिमलास ग्रांट दुधली निवासी हेमा वोहरा ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बेरोजगार संघ के पदाधिकारियों पर मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)।सडक पर जाम लगाने पर पुलिस ने बेरोजगार संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाथीबडकला चौकी प्रभारी हर्ष अरोडा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बेरोजगार संघ अध्यक्ष बॉबी पंवार, विशाल पंवार, संदीप पंवार व 300 अन्य लोगों के द्वारा धरना प्रदर्शन के दौरान जाम लगाना पुलिस को व्यस्तता रखना जिससे कई सरकारी कार्य के बाधित होना। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानलेवा हमले में पुलिस ने किया तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। पुलिस ने जानलेवा हमले के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहूंवाला निवासी साहिल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई राशिद अपनी स्कार्पियों गाडी से शहर से घर की तरफ आ रहा था जब वह लालपुल के पास पहुंचा तभी साकिब, सोनू, जीतू ने अपने कुछ साथियों के साथ उसके भाई को रोक लिया और लाठी डण्डों से उसकी कार पर हमला कर गाडी को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा उसके भाई पर जानलेवा हमला कर उसकी टांग तोड दी तथा सिर पर कई वार किये जिससे उसका भाई गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राथमिक विद्यालय की रसोई का ताला तोडकर सामान चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने प्राथमिक विद्यालय की रसोई का ताला तोडकर वहां से गैस सिलेण्डर, बर्तन व कुकर चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय माजरा की प्रधानाध्यापक श्रीमती जहां आरा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने विद्यालय की एमडीएम रसोई का ताला तोडकर वहां से गैस सिलेण्ड, तीन बडे पतीले, पतीलों के ढक्कन, प्रेशर कुकर 15 लीटर व दस लीटर के चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केदारघाटी में हेलीकॉप्टर क्रैश..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने शोक संवेदना व्यक्त की हैं। उल्लेखनीय है कि बीते 8 साल में केदारघाटी में होने वाली यह सातवीं हेली दुर्घटना है। 21 जून 2013 में आपदा राहत कार्य में लगा सेना का एक एमआई-17 भी यहीं गरुड़ चट्टी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें सेना के 20 जवान शहीद हो गए थे।

शिक्षक भर्ती में सम्मिलित करने की मांग को लेकर सचिवाल कूच

संवाददाता

देहरादून। शिक्षक भर्ती में सम्मिलित करने की मांग को लेकर एनआईओएस, डीएलएड टीईटी शिक्षक महासंघ ने सचिवालय कूच कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान एनआईओएस से डीएलएड प्रशिक्षित शिक्षक गांधी पार्क पर एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय के लिए कूच किया। वह गांधी पार्क से राजपुर रोड, सुभाष रोड होते हुए सचिवालय के समक्ष पहुंचे जहां पर उनको बैरकेडिग लगाकर रोक दिया गया। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उन्हें भी प्राथमिक शिक्षक भर्ती में सम्मिलित किये जाने का विगत 14 सितम्बर को हाईकोर्ट नैनीताल ने आदेश जारी का दिया है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी व आरसी खुल्बे की युगल खण्ड पीठ ने इन अभ्यार्थियों के पक्ष में निर्णय सुनाते हुए कहा कि एनआईओएस डीएलएड योग्यताधारियों को भी प्राथमिक गतिमान शिक्षक भर्ती में सम्मिलित किया जाये साथ ही दो हजार रूपया प्रति याची को अर्थदण्ड का भुगतान भी करें। उन्होंने कहा कि आदेश में यह भी कहा गया है कि इन्हें चार सप्ताह में नियुक्ति प्रदान करें लेकिन एक माह से भी ज्यादा समय हो चुका है अभी तक शासनादेश जारी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण आज से सडकों पर अपने परिवार के साथ आन्दोलन करने के लिए बाध्य है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनका शोषण बन्द नहीं हुआ तो वह कोई बडा कदम उठाने के लिए बाध्य हो जायेंगे।

स्मार्ट सिटी के बावजूद राजधानी दून की सड़कों का बुरा हालः लालचंद

नगर संवाददाता

देहरादून। स्मार्ट सिटी होने के बावजूद लंबे समय से देहरादून की सड़कों का बुरा हाल है। सड़कों की बुरी हालत सिस्टम को मुंह चिड़ा रही है। बरसात का मौसम खत्म होने के बाद भी सड़कों को ठीक नहीं किया जा रहा है। वहीं शहर के आउटर इलाकों की सड़कों का ज्यादा बुरा हाल हो रखा है।

मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से यह बात आज कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कही। उन्होने कहा कि हाल ही में मुख्य सचिव ने अधिकारियों की बैठक कर सड़कों को जल्द ठीक करने के आदेश किए थे। इसके बाद भी काम खानापूर्ति के किए जा रहे हैं। कहा कि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के जब यह हाल है तो फिर राज्य के बाकी शहरों के क्या हाल होगें इसका अंदाजा खुद ही लगाया जा सकता है।

उन्होने कहा कि कांग्रेस की ओर से लगातार शहर की खस्ताहाल सड़कों को बनाने का मुद्दा उठाया जाता रहा है। साथ ही शहर के ड्रेनेज सिस्टम की कमियों को भी उठाया जाता रहा है। उन्होने कहा वर्तमान में शहर का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से पटरी से उतरा हुआ है। कांग्रेस की मांग है कि शहर की सभी सड़कों को जल्द से जल्द बनाया जाए। साथ ही शहर के ड्रेनेज सिस्टम का प्लान बनाकर उस पर काम हो, ताकि आगामी बरसात में शहर के लोगों को जल भराव की समस्या से निजात मिल सके।

मारपीट कर इज्जत लूटने के प्रयास में दो के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। महिला के साथ मारपीट कर उसके कपडे फाडकर इज्जत लूटने के प्रयास के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी कालोनी मोहिनी रोड निवासी महिला ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस के ही रहने वाले सोनू और मोनू ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसके कपडे फाड दिये और उसके साथ बलात्कार का प्रयास किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने आसन नदी पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम रहीस पुत्र आशिक अली निवासी ग्राम केहडा लक्सर हरिद्वार हाल निवासी ब्रहमपुरी चौक बताया।

पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने परिवार को जिंदा जलाया

हमारे संवाददाता

जालंधर। नशे के आदी एक व्यक्ति ने देर रात अपनी पत्नी, दो बच्चों व सास-ससुर को जिंदा जलाकर मार डाला। घटना के बाद से ही आरोपी फरार होने में कामयाब रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बीठला की एक महिला की शादी खुरशैदपुर के एक व्यक्ति काली से हुई थी। बताया जा रहा है कि महिला का पति नशे का आदी है। जिसके चलते दोनों के बीच आये दिन मनमुटाव होता रहता था। नाराज महिला इन दिनों अपने मायके आई हुई थी। सोमवार रात को उसका पति काली उसे लेने आया लेकिन वह नही गयी जिसके बाद रात को सोते समय आरोपी काली ने घर के बाहर ताला लगाया और पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी जिससे उसकी पत्नी, दो बच्चों और सास-ससुर की मौत हो गई। जिसके बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू करने के साथ ही आरोपी काली की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार सोमवार रात जब पूरा परिवार सोया हुआ था तो काली ने कमरे को बाहर से लॉक कर दिया। जिसके बाद उसने कमरे में पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी। आग लगने और चीख-पुकार का भी काली को तरस नहीं आया। अपनी आंखों के सामने ही उसने अपनी पत्नी, बेटी, बेटा, सास और ससुर को जिंदा जला दिया। पड़ोसियों के मुताबिक काली ने आग लगाने के बाद चिल्लाते हुए कहा कि मैंने ही आग लगाई है। इसके बाद आरोपी फरार हो गया।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

मुख्तार अंसारी को शस्त्र लाइसेंस देने की संस्तुति करने वाला पुलिस अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। माफिया मुख्तार अंसारी को शस्त्र लाइसेंस दिए जाने की संस्तुति करने वाले पुलिस अधिकारी कृष्ण प्रताप सिंह को यूपी सरकार ने निलंबित कर दिया है। मऊ में कोतवाल के पद पर तैनाती के दौरान उन्होंने यह संस्तुति की थी। वर्तमान में कृष्ण प्रताप बहराइच में डिप्टी एसपी हैं। मुख्तार अंसारी अभी बांदा जेल में बंद हैं और उसकी सुरक्षा के लिए जेल प्रशासन के साथ कानपुर

के एक डिप्टी जेलर की ड्यूटी लगाई गई है। जेल प्रशासन के मुताबिक, मुख्तार की सुरक्षा में करीब 32 सुरक्षाकर्मी 24 घंटे में ड्यूटी पर लगाए गए हैं। जिसमे अंदर की बैरक में रहने वाले सुरक्षाकर्मी बॉडी कैम से लैस रहते हैं। यानी हर गतिविधि की नजर कैमरे में रिकॉर्ड होती है। वहीं,मुख्तार के बेटे और मऊ विधायक अब्बास की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। क्योंकि अब उसकी संपत्ति कुर्क की जाएगी। एमपी-एमएलए कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। अब्बास ने साल 2012 में लखनऊ से जारी किए गए शस्त्र लाइसेंस को बगैर सूचना दिए ही दिल्ली के पते पर ट्रांसफर कराया था। इसके बाद मामला कोर्ट में पहुंचा। कोर्ट में लगातार गैर हाजिर होने के कारण एमपी-एमएलए कोर्ट ने अब्बास की संपत्ति कुर्की के आदेश दिया है। अब्बास के खिलाफ कई मामले चल रहे हैं।

बीजेपी बंगाल की कोर कमिटी में चुने गए मिथुन चक्रवर्ती, रूपा गांगुली कमिटी से बाहर

नई दिल्ली। बीजेपी वेस्ट बंगाल में मिथुन चक्रवर्ती पर अब भी दांव लगाने को तैयार है। सोमवार को बीजेपी ने बंगाल के लिए कोर कमिटी का ऐलान किया, जिसमें कई दिग्गजों को छोड़कर मिथुन चक्रवर्ती को जोड़ा गया। बेशक पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में सरकार न बना पाई हो, लेकिन पार्टी ने

अन्य चुनावों की तुलना में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई ऐसी सीटों पर भी जीत दर्ज की जिन पर टीएमसी का दबदबा हुआ करता था। अब बीजेपी हाईकमान ने बंगाल इकाई के लिए पार्टी की कोर कमिटी का गठन किया है। इस कोर कमिटी में मशहूर फिल्म अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को शामिल किया गया है। उनका नाम सबको चौंकाने वाला है। वहीं इस बार पूर्व राज्यसभा सांसद रूपा गांगुली को कोर कमिटी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इस कमिटी में 20 सदस्यों को शामिल किया गया है।

'वासेपुर' में दो लड़कों की गला रेतकर हत्या

धनबाद। झारखंड के धनबाद शहर के वासेपुर में डबल मर्डर का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दो लड़कों की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के पीछे लव अफेयर में हुए विवाद को वजह माना जा रहा है। पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। इस डबल मर्डर को लेकर वासेपुर में गम और गुस्से का माहौल है। सोमवार शाम दोनों के शव

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपे गए। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा। यह वारदात बीती रात की है। वासेपुर के आरा मोड़ गनी मुहल्ला में आध ा दर्जन युवकों ने दो किशोरों मोहम्मद साहिल (14) और मोहम्मद सुहैल (15) को दौड़ा कर पकड़ा और उनका गला रेत दिया। दोनों दोस्त थे और वासेपुर की न्यू अफसर कॉलोनी मारूफगंज के रहने वाले थे। वारदात के बाद किसी की सूचना पर पुलिस पहुंची। दोनों के शव तंग गली में एक-दूसरे से 15 फीट की दूरी पर पड़े थे। हत्याकांड के बाद इलाके में भारी भीड़ जुट गई। इस वजह से पुलिस को दोनों लाशों को कब्जे लेने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने जिन पांच लोगों को हिरासत में लिया है, उसमें वासेपुर में रहने वाले मोंटी, तबरेज, साजिद और रॉकी शामिल हैं।

स्टोन क्रेशर मालिक की हत्या का खुलासा, तीन साजिशकर्ता गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। स्टोन क्रेसर मालिक हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक महिला सहित तीन साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक पिस्टल व कारतूस बरामद किये गये है। वहीं मामले में दो शूटर, मुख्य आरोपी तथा एक सहआरोपी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि बीती 13 अक्टूबर को कर्मपाल सिंह पुत्र हरदेव सिंह निवासी ग्राम जुडका द्वारा थाना काशीपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके ताऊ महल सिंह पुत्र स्व सिंगारा सिंह की अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने घर में ही गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। बताया कि उनके ताउजी को 6-7 दिन पहले कनाडा से एक व्यक्ति जिसका नाम हरजीत सिंह उर्फ काला है, ने फोन पर उन्हे जान से मारने की धमकी दी थी। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी गयी। मामले मे जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उक्त घटना में शामिल पन्नू जो गुलजारपुर का रहने वाला है जो बंजारी गेट के पास जंगल में छिपा हुआ है तथा कहीं भागने की फिराक में है। पुलिस ने बताये गये स्थान पर छापेमारी की तो आरोपी पन्नू ने पुलिस पर फायर झौंक दिया। जिस पर पुलिस ने उसे घेर घोटकर दबोच लिया। तथा उसके पास से पिस्टल व कारतूस बरामद कर लिये। आरोपी प्रभजोत सिंह पन्नू उर्फ प्रभजीत सिंह पुत्र हरजाब सिंह निवासी ग्राम गुलजार पुर काशीपुर ने बताया कि मैं पूर्व में बतौर एकता स्टोन क्रेशर पर मुशीं का कार्य करता था। स्टोन केशर में महल सिंह, सुखवन्त सिंह व उसका भाई हरजीत उर्फ काले व जगप्रीत सिंह पार्टनर थें करीब दो वर्ष हरजीत काले महल सिंह व सुखवंत सिंह के बीच आपस में पार्टनरशिप को लेकर ं विवाद रहने लगा। परन्तु महल सिंह काले के दबाब में नहीं आ रहा था जिस कारण हरजीत उर्फ काले महल सिंह से दुश्मनी रखने लगा। बताया कि हरजीत उर्फ काले तथा प्रभजोत उर्फ पन्नू स्वयं भी स्टोन केशर बनाना चाहते थे जिसका मृतक महल सिंह विरोध कर रहा था। हरजीत सिंह उर्फ काले एंव उसके भाई सुखवंत सिंह के बीच पंचायत के माध्यम से विवाद सुलझाया गया लेकिन काले संतुष्ठ नहीं था जिस कारण हरजीत सिंह, महल सिंह से दुश्मनी रखने लगा। हरजीत सिंह के द्वारा मुझसे सिगनल एप के माध्यम से महल सिंह की हत्या करने के लिये अपने पास कारतूस व वैपन दिये तथा शूटरों की व्यवस्था रखने को कहा। हरजीत के कहने पर मैने उसके गैंगस्टर दोस्त को व्हटस अप के माध्यम से मृतक महल सिंह एंव उसके पुत्र की फोटों भेजी थी। जिसके बाद मैने शूटरों के लिए बाइक की व्यवस्था की व इस काम में महिला रजविन्दर कौर व सेवी से सम्पर्क में रहने लगा। जिसके बाद शूटर आये जिन्हे में लेने गया और उन्हे महल सिंह का घर दिखाया। जिसके बाद उन्होने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने रजविन्दर कौर पत्नी तरसेम सिंह निवासी ग्राम गुलजार पुर व सुखदेव सिंह उर्फ सेवी पुत्र प्रीतम सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है।

जिंदा रहने के लिए संस्कृति का जिंदा रहना जरूरी: बर्थवाल

देहरादून (सं)। डॉ माधुरी बर्थवाल ने कहा कि जिंदा रहने के लिए संस्कृति का जिंदा रहना जरूरी है। आज यहां माटी के रंग राष्ट्रीय लोक कला उत्सव में चतुर्थ चरण के रूप में 'लोक स्वर' जागर गायन कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पद्मश्री माधुरी बर्थवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ रमाकांत बेंजवाल, आमंत्रित कलाकार हिमांशु दरमोडा (शास्त्रीय गायक) डॉ सरिता कुमार, प्राचार्या एम केपी पीजी कॉलेज द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम संयोजिका डॉ ममता सिंह ने प्रत्येक युवा को उत्तराखंड की लोक संस्कृति को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने की बात कही। रमाकांत बेंजवाल ने गढ़वाली और कुमाऊंनी भाषा के प्रचार प्रसार को आवश्यक बताया। डॉ माधुरी बर्थवाल ने कहा कि जिंदा रहने के लिए संस्कृति का जिंदा रहना जरूरी है, उन्होंने भारत के विभिन्न राज्यों की लोककला के साझे सूत्र को उदाहरण देकर समझाया। डॉ हरिओम शंकर ने विशिष्ट वक्ता के रूप में शोध पत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मोनिका भटनागर, डॉ पुनीत सैनी द्वारा किया गया। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ रेनू सक्सेना, डॉ तुष्टि मैठाणी, डॉ अलका मोहन शर्मा,डॉ आरती सिसौदिया, डॉ तूलिका चंद्रा,डॉ पूनम त्यागी, डॉ मुकेश बाला, डॉ पारुल दीक्षित एवं भारतीय भाषा केंद्र के शिक्षक उपस्थित रहे।

राज्यपाल पहुंचे एरीज के गोल्डन जुबली समारोह में

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड के राज्यपाल सेवानिवृत्त ले. जनरल गुरमीत सिंह अपने पूर्व घोषित एक दिवसीय कार्यक्रम पर नैनीताल पहुंच गये है। कैलाखान हैलीपेड पर उतरने के बाद वह सीधे मनोरा पीक स्थित (एरीज)आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान पहुंचे जहां उनका एरीज के निदेशक दीपांकर बनर्जी व अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने स्वागत किया।

राज्यपाल यहां 1972 में स्थापित 104 सेमी व्यास की सम्पूर्णानंद आप्टिकल दूरबीन के पचास साल पूरे होने पर सोमवार से शुरू हुए दो दिवसीय गोल्डन जुबली समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करने आये है।

बता दें कि राज्यपाल गुरमीत सिंह पहले भी 13 जून 2021 को नैनीताल अपने ग्रीष्मकालीन प्रवास के दौरान एरीज गये थे। जहां उन्होने एरीज के संचालन में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले 50 वैज्ञानिकों, शोधार्थियों तथा कर्मचारियों को सम्मानित करने का आश्वासन दिया था।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।